सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत दी गई परिभाषा के अनुसार बाइरैक एक सार्वजनिक प्राधिकरण है और जो अपने काम में पारदर्शिता और जवाबदेही को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाइरैक "सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005" की भावना और प्रावधानों के साथ संगठन की वेबसाइट पर इस तरह की जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास करता है। भारत का कोई भी नागरिक स्वतंत्र रूप से इस जानकारी तक पहुंच बना सकता है और आरटीआई अधिनियम के तहत परिभाषित जानकारी भी मांग सकता है। अधिनियम के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए बाइरैक से सूचना मांगने वाले किसी भी आवेदन को सीपीआईओ को सम्बोधित कर निम्न पते भेजा जा सकता हैः

सुश्री कविता आनंदानी

सीपीआईओ

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)

प्रथम तल, एमटीएनएल बिल्डिंग, 9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली -110003

दूरभाषः +91-11-24389600, वेबसाइटः www.birac.nic.in

अपीलीय प्राधिकारी हैं:

सुश्री अंजू भल्ला

प्रबंध निदेशक, बाइरैक

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)

प्रथम तल, एमटीएनएल बिल्डिंग, 9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली -110003 दूरभाषः

+91-11-24389600, वेबसाइटः www.birac.nic.in

संगठन संरचना

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक), बायोटेक उद्यम को मजबूत और सशक्त बनाने के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा स्थापित एक गैर-लाभकारी धारा 8, अनुसूची बी, सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जिसे भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक उत्पाद विकास आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु रणनीतिक अनुसंधान और नवाचार करने के लिए एक इंटरफेस एजेंसी के रूप में स्थापित किया है।

बाइरैक एक उद्योग-अकादमिक इंटरफ़ेस है और प्रभावी कदमों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से अपने अधिदेश को लागू करता है, यह लक्षित फंडिंग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, आईपी प्रबंधन और हैंड होल्डिंग योजनाओं के माध्यम से जोखिम पूंजी तक पहुंच प्रदान करता है, जो बायोटेक फर्मों को नवाचार उत्कृष्टता लाने में मदद करती हैं और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाती हैं। अपने आठ वर्षों के अस्तित्व अवधि में, बाइरैक ने कई योजनाओं, नेटवर्क और प्लेटफार्मों की शुरुआत की है जो उद्योग-शिक्षा नवाचार अनुसंधान में मौजूदा अंतराल को कम करने में मदद करती हैं और अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीन, उच्च गुणवत्ता वाले किफायती उत्पादों के विकास की सुविधा प्रदान करती हैं। बाइरैक ने अपने अधिदेश की मुख्य विशेषताओं पर मिलकर काम करने और उसे पूरा करने के लिए कई राष्ट्रीय और वैश्विक साझेदारों के साथ भागीदारी शुरू की है।

बाइरैक का मुख्य लक्ष्य जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक विकास एजेंसी के रूप में काम करना है, जो स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा समस्याओं की राष्ट्रीय आवश्यकताओं को नीचे दिए गए प्रतिस्पर्धी अनुदान दृष्टिकोण या शीर्ष डाउन उत्पाद विकास कार्यक्रमों के माध्यम से पूरा करता है। इसे हासिल करने के लिए, बाइरैक निजी, सार्वजनिक और अंतर्राष्ट्रीय समूहों के साथ साझेदारी में काम कर रहा है। संगठन के पास विविध टीम हैं और जो अभी भी परिचालन आदान-प्रदान को स्वीकार करते हैं।

बाइरैक के पास सफल और प्रभावी कामकाज के लिए एक अद्वितीय संगठन और शासन संरचना हैः

- मुख्य कार्य खोज प्रौद्योगिकियों, उत्पाद विकास/अनुवाद संबंधी चरणों और सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि और हरित प्रौद्योगिकी और औद्योगिक प्रक्रिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी प्रसार के लिए सहायता प्रदान करना है। इसलिए, बाइरैक के पास इस मिशन को पूरा करने के लिए कार्यात्मक टीमें हैं

- वर्टिकल टीम जैव प्रौद्योगिकी उत्पाद विकास के विभिन्न चरणों पर ध्यान देते हैं, जबकि लेटरल टीमें अंतर अनुशासनात्मक समूहों (जैसे स्वास्थ्य, कृषि, हरित प्रौद्योगिकी) के बीच काम करते हुए किसी विशेष उत्पाद पर ध्यान केंद्रित करते हैं और इस पर खोज से लेकर प्रसार चरण नजर रखते हैं

- अन्य समूह जैसे कि निवेश, विशिष्ट सेवाएँ, रणनीतिक साझेदारी और उद्यमिता विकास भी हैं, जो मूल कार्य को सुविधाजनक बनाते हैं

- क्षेत्र विशेष समूह में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ/वैज्ञानिक हैं जो तकनीकी सहायता समूह के रूप में कार्य करते हैं और तकनीकी दिशानिर्देश प्रदान करते हैं।

- एचआर और एडमिन, फाइनेंस, कॉरपोरेट अफेयर्स और कानूनी जैसे सक्षम समूह हैं जो बाइरैक के सुचारू संचालन के लिए जरूरी हैं।

- प्रत्येक विभाग का नेतृत्व एक प्रमुख द्वारा किया जाता है और टीम के सदस्यों को आवश्यकता तथा विशेषज्ञता के क्षेत्र के आधार पर नियुक्त किया जाता है।

बाइरैक के सभी कर्मचारियों को उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर विभिन्न स्तरों पर संविदात्मक (सेवा का अनुबंध) तरीके से नियुक्त किया जाता है। बाइरैक कर्मचारियों के लिए एकअनुबंध कैरियर पथ विकसित किया गया है। प्रारंभिक अनुबंध अगले 4 वर्षों के लिए, फिर 5 साल के दो नवीकरण और उसके बाद 10 साल के लिए या सेवानिवृत्ति की आयु यानी 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, के लिए नियुक्ति होता है।

क्षतिपूर्ति संरचना

1 जनवरी, 2017 से प्रभावी बाइरैक की क्षतिपूर्ति संरचना निम्नानुसार हैः –

लेवल	पद	बैंड	वेतनमान
ई1	**अधिकारी**	**बैंड 1**	**40,000 - 1,20,000**
		बैंड 2	**45,000 - 1,40,000**
ई 2	**उप प्रबंधक**	**बैंड 1**	**50,000 - 1,50,000**
		बैंड 2	**55,000 - 1,60,000**
ई 3	**प्रबंधक**	**बैंड 1**	**60,000 - 1,70,000**
		बैंड 2	**65,000 - 1,80,000**
ई 4	**वरिष्ठ प्रबंधक**	**बैंड 1**	**70,000 - 1,90,000**
		बैंड 2	**75,000 - 2,00,000**
ई 5	**मुख्य प्रबंधक**	**बैंड 1**	**80,000 - 2,10,000**
		बैंड 2	**90,000 - 2,20,000**
ई 6	**उप महाप्रबंधक**	**बैंड 1**	**90,000 - 2,30,000**
		बैंड 2	**1,00,000 - 2,40,000**
ई 7	**महाप्रबंधक**	**बैंड 1**	**1,00,000 - 2,50,000**
		बैंड 2	**1,10,000 - 2,60,000**
ई 8	**समूह महाप्रबंधक**	**बैंड 1**	**1,20,000 - 2,70,000**
		बैंड 2	**1,30,000 - 2,80,000**

अनुलाभ और भत्ते

बाइरैक कर्मचारियों को मूल वेतन का @ 24% एचआरए के रूप में भुगतान किया जाता है। डीपीई के निर्देशों के अनुसार डीए 25% से अधिक यह 27% और डीए 50% होने पर यह संशोधित होकर कर 30% हो जायेगा। सभी कर्मचारियों को 'कैफेटेरिया एप्रोच' के तहत मूल वेतन का अधिकतम 35% तक अनुलाभ भी दिया जायेगा। 'कैफेटेरिया एप्रोच' की अवधारणा के तहत, अधिकारियों को मूल वेतन के 35% की सीमा के भीतर अनुलाभों और भत्तों का एक सेट से चुनने की अनुमति है।

बाइरैक में एक अच्छी तरह से परिभाषित प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली है जिसमें केपीआई और केआरए को वित्तीय वर्ष की शुरुआत में प्रत्येक कर्मचारी के लिए निश्चित किया जाता है और प्रत्येक स्तर पर निर्धारित योग्यता आधारित मूल्यांकन पैरामीटर के अनुसार उनके प्रदर्शन के आधार पर योग्य उम्मीदवारों को पदोन्नति प्रदान की जाती है।

बाइरैक कार्यात्मक टीमों में विभिन्न समूहों और विभिन्न स्तरों के सदस्य शामिल होते हैं जिन्हें उनके क्षेत्र/कार्यक्षेत्र में विशिष्ट कार्यों सौंपे जायेंगे और वे सौंपे गए कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए जिम्मेदार होंगे, आंतरिक टीम अन्य टीमों के साथ सहयोग और बेहतर कार्य संबंध विकसित करेगी। बाइरैक ने बिना किसी स्तर की रिपोर्टिंग के फ्लैट संगठन संरचना को अपनाया है।

परियोजना प्रबंधन इकाई

मुख्य शक्ति में अन्य आवश्यकता आधारित/परियोजना आधारित इकाइयां शामिल नहीं हैं। यदि बड़ी भागीदारी के लिए किसी अवश्यकता आधारित परियोजना प्रबंधन इकाई का गठन किया जाता है, तो एक विशिष्ट इकाई संरचना का पालन किया जाएगा और पदों की संख्या आवश्यकताओं पर आधारित होगी। इस तरह की इकाइयाँ अपनी एक तकनीकी इकाई और वित्त तथा कानून के अभिन्न अंग के रूप में शामिल कर एक सम्पूर्ण संरचना बन सकती हैं। इकाइयां जरूरत के आधार पर बनाई जाएंगी और इन लोगों को दी जाने वाली क्षतिपूर्ति और अनुबंध की शर्तों को प्रबंधन द्वारा तय किया जाएगा। इन इकाइयों में नियुक्त किए जाने वाले लोगों की संख्या आवश्यकताओं के आधार पर होगी जो कि आवश्यकता होने पर बाइरैक द्वारा आंतरिक रूप से काम लिया जायेगा। इन इकाइयों के लिए टीमों को बाइरैक द्वारा विशिष्ट समय अवधि के लिए अनुबंधित किया जाएगा। 'सेवा हेतु अनुबंध' उम्मीदवारों को आवश्यकता के आधार पर या विशिष्ट परियोजना के लिए नियुक्त किया जायेगा, उन्हें संगठन के प्रति उनकी सेवाओं के लिए भुगतान के रूप में एकमुश्त राशि दी जाएगी।

बाइरैक की संगठन संरचना को नीचे दिए गए चित्र में दर्शाया गया है।

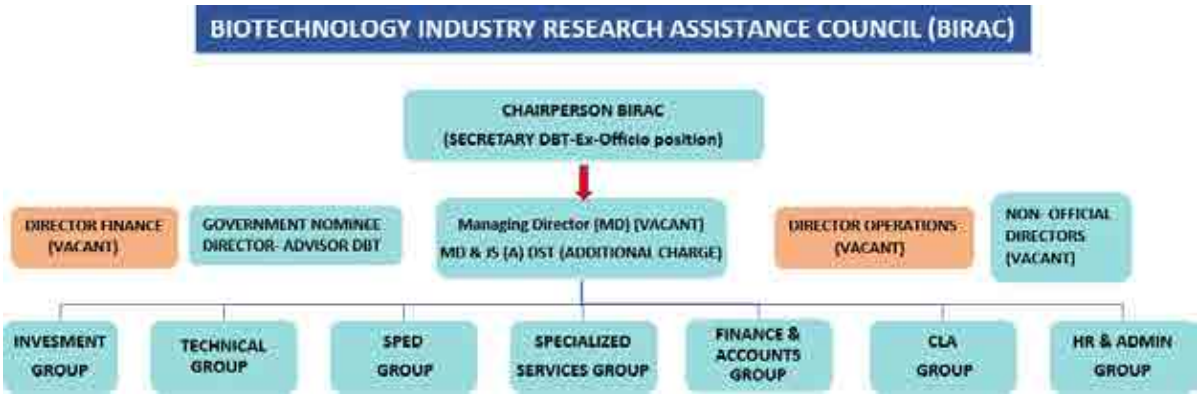

निदेशक मंडल

बाइरैक के निदेशक मंडल में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. डॉ. रेणु स्वरूप, सचिव डीबीटी और अध्यक्ष
2. सुश्री अंजू भल्ला, प्रबंध निदेशक और जेएस (ए) डीएसटी
3. डॉ. मो. असलम, सरकार नामित निदेशक

कंपनी की सचिव सुश्री कविता आनंदानी द्वारा बोर्ड की सेवा ली जाती है।

विभागों/प्रभागों के नाम और कर्मचारियों के नाम और पद इस प्रकार हैं: -

विभाग/प्रभाग	नाम	पद
निवेश	**डॉ. संजय सक्सेना**	**महाप्रबंधक और एचओडी - निवेश**
	सुश्री सोनिया गांधी	मुख्य प्रबंधक
	डॉ. सोनाली टंडन	वरिष्ठ प्रबंधक
	डॉ. आरती	वरिष्ठ प्रबंधक
	डॉ. पूनम सिंह	प्रबंधक
	डॉ. प्राची कौशिक	प्रबंधक
	डॉ. नूतन	प्रबंधक
	सुश्री मांडवी तिवारी	उप प्रबंधक
तकनीकी	**डॉ. पी. के. एस. सरमा**	**महाप्रबंधक और एचओडी - तकनीकी**
	डॉ. शिल्पी गुप्ता	मुख्य प्रबंधक
	डॉ. अमिता जोशी	मुख्य प्रबंधक
	डॉ. धीरज कुमार	वरिष्ठ प्रबंधक
	डॉ. अपर्णा शर्मा	वरिष्ठ प्रबंधक
	डॉ. प्राची अग्रवाल	वरिष्ठ प्रबंधक
	डॉ. साईश्याम नारायणन	उप प्रबंधक
	डॉ. योगेश एम.	अधिकारी
विशेषज्ञ सेवाएं	**डॉ. विनीता जिंदल**	**मुख्य प्रबंधक**
	श्री अमित कटियार	वरिष्ठ प्रबंधक
	सुश्री रश्मिका सिंह	अधिकारी
रणनीतिक साझेदारी एवं उद्यमिता विकास (एसपीईडी)	**डॉ. मनीष दीवान**	**उप महाप्रबंधक और एचओडी - एसपीईडी**
	डॉ. शिल्पी कोचर	वरिष्ठ प्रबंधक
	श्री उत्कर्ष माथुर	प्रबंधक
	डॉ. छाया चौहान	प्रबंधक
	सुश्री तरनजीत कौर	उप प्रबंधक
	सुश्री पूनम आर. बिशनी	अधिकारी

वित्त और लेखा	**सुश्री ललिता बालकृष्णन**	**उप महाप्रबंधक और एचओडी - एफ एंड ए**
	सुश्री भावना अरोड़ा	वरिष्ठ प्रबंधक
	श्री देवात्मा नंद वर्मा	वरिष्ठ प्रबंधक
	श्री शारिक सुहैल	उप प्रबंधक
	श्री शशिकांत विश्वकर्मा	वित्त और लेखा अधिकारी
	श्री रविन्द्र कुमार	वित्त और लेखा अधिकारी
कानूनी और कॉर्पोरेट मामले	**सुश्री कविता आनंदानी**	**कंपनी सचिव** **उप महाप्रबंधक और एचओडी -सीएलए**
	सुश्री जया सीताराम	वरिष्ठ प्रबंधक कॉर्पोरेट मामले
	सुश्री अलका शर्मा	कानूनी अधिकारी
	श्री अमित कुमार	कानूनी अधिकारी
	सुश्री कीर्ति गुप्ता	कॉर्पोरेट मामलों के अधिकारी
मानव संसाधन और प्रशासन	**सुश्री नामिता खरे**	**उप महाप्रबंधक और** **एचओडी - एचआर एवं एडमिन**
	श्री नितिन बख्शी	वरिष्ठ प्रबंधक
	श्री अमरनाथ शुक्ला	वरिष्ठ प्रबंधक
	सुश्री कविता सरदाना	प्रशासनिक अधिकारी
	श्री विपुल कुमार	अधिकारी
	सुश्री दीपा पंथ	प्रशासनिक अधिकारी

बाइरैक क्रियाकलाप

बाइरैक की विभिन्न गतिविधियाँ हैं:

निवेश योजनाएँ उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स, एसएमई और बायोटेक कंपनियों को उत्पाद विकास मूल्य श्रृंखला के सभी चरणों की खोज से लेकर अवधारणा के प्रमाण तक प्रारंभिक और अंतिम चरण के विकास के लिए सत्यापन और बढ़ाने के लिए, पूर्व-व्यावसायीकरण का अधिकार प्रदान करती हैं। इसके अलावा विशेष उत्पाद विकास मिशन भी हैं।

उद्यमिता विकास जो न केवल धन सहायता पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि विनियामक मार्गदर्शन सहित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और लाइसेंसिंग, आईपी और व्यवसाय निगरानी के लिए उचित बुनियादी संरचना, परामर्श और अन्य नेटवर्क भी उपलब्ध कराता है।

सामरिक भागीदारी समूह सभी भागीदारों - राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जिसमें केंद्र और राज्य दोनों सरकारी विभाग और मंत्रालय, उद्योग संगठन, अंतर्राष्ट्रीय द्विपक्षीय एजेंसियां, परोपकारी संगठन और कॉर्पोरेट क्षेत्र शामिल हैं, की क्षमता और विशेषज्ञता का लाभ उठाने और संसाधनों को जुटाने तथा अन्य क्षेत्रों में विस्तार करने के लिए इसकी गतिविधियाँ के साथ मिलकर काम करता है।

योजनाओं के विवरण, सामरिक भागीदारी, संरक्षण और क्षमता निर्माण, आईपी और टीटी के लिए बाइरैक वेबसाइट www.birac.nic.in देखें।